Hanuman Chalisa Konkani Language

दोहा

श्री गुरु चरण सरोज राज निजा मनु मुकुरा सुधारी
बरनौ रघुवर बिमल जासू जो दयाकू फला चारी
बुधीहीन तनु जान्नीके सुमिरो पावन कुमारा
बाल बुद्धि विद्या देहू मोही हरहु कलेश विकार

चौपाई हें नांव

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर
जय कपीस तिहुं लोक उजागर
राम दूत अतुलित बाल धमा
अंजनी पुत्र पावण सुत नाम

महाबीर विक्रम बजरंगी
कुमती निवार सुमती के सांगी
कंचन वरण विराज सुबेसा
कानन कुंडल कुंचित केशा

हथ वज्र और ध्वज विराजे
काँधे मूंज जाणेऊ साजे
संकर सुवन केसरी नंदन
तेज प्रताप महा जग वंदन

PDFSeva.com

Hanuman Chalisa Konkani Language

विद्यावान गुणी अति चतुर
राम काज करिबे को आतूर
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया
राम लखन सीता मन बसिया

सुक्ष्म रूप धारी सियाही दिखवा
विकट रूप धारी लांक जलवा
भीम रूप धारी असुर संहरे
रामचंद्र के काज सांवरे

लाय संजीवन लखन जियाये
श्री रघुवीर हरशी उर लाये
रघुपति किन्ही बहुत बादई
तुम मामा प्रिया भारत-ही-सम भाई

सहस बदान तुम्हारो यश गावें
अस कहि श्रीपति कंठ लगावे
संकाधिक ब्रह्मादि मुनीसा
नारद सरद सहित अहीसा

यं कुबेर दिकपाल जहां ते
कवी कोविड कही साके कहाँ ते
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा

PDFseva.com

राम मिलाये राजपद दीन्हा

तुम्हरो मंत्र विभीषण माँ
लंकेश्वर भाये सब जग जाना
युग सहस्र योजना पर भानु
लील्यो ताहि मधुर फल जानु

प्रभु मुद्रिका मेली मुख माही
जलाधी लंघी गये अचराज नाही
दुर्गाम काज जगत के जेते
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते

राम दुवारे तुम राखवरे
होत ना आज्ञा बिनु पैसारे
सब सुख लहई तुम्हारी सारना
तुम रक्षक कहू को दरना

आपां तेज संहारो आपाई
तीनों लोक हांक ते कांपाई
भूत पिसाच निकात नाहीं आवै
महावीर जब नाम सुनवै

नासे रोग हरए सब पीरा

PDFSeva.com

Hanuman Chalisa Konkani Language

जपत निरंतार हनुमत बीरा
संकट से हनुमान छूदावै
मन क्रम वचन ध्यान जो लवई

सब पर राम तपवी राजा
तिन के काज सकल तुम साजा
और मनोरथ जो कोई लवई
सोई अमित जीवन फल पावई

चारों जग पार्टप तुम्हारा
है परसिध्द जगत उजियारा
साधु संत के तुम राखवारे
असुर निकंदन राम दुलारे

अष्ट सिध्दी नव निधी के दाता
अस वर दीन जांकी माता
राम रसायण तुम्हारे पासा
सदा रहो रघुपति के दासा

तुम्हरे भजन राम को पावई
जनम जनम के दुख बिसरावई
अंतकाल रघुवर पुर जाये
जहां जनम हरि भक्त कहाये

PDFSeva.com

और देवता चित् ना धरहिं
हनुमत सेई सर्व सुख करहीं
संकट काते मिते सब पीरा
जो सुमिराय हनुमत बलबीरा

जय जय जय हनुमान गोसाईं
कृपा करहूं गुरुदेव की नयीं
जो शत बार पाथ करे कोई
छुताहीं बंदी महा सुख होई

जो येह पढ़े हनुमान चालीसा
होय सिद्धि साखी गौरीसा
तुलसीदास सदा हरि चेरा
कीजै नाथ हृदय महं डेरा

दोहा

पावन तनय संकट हरण मंगला मुराती रूप
राम लखन सीता सहिता हृदय बसहू सूर भूप

All PDF Collection
PDFSeva
Free Hanuman Chalisa PDF Download In All Languages